

પાઠ 5 પાઠ

મામાજી આવ્યા

સુધાબહેન : અરે કલ્પેશ તું ક્યાંથી? ક્યારે આવ્યો ગાંધીનગર? બા-બાપુજી કેમ છે? લતાભાભી અને બાબુકો?

અરે કલ્પેશ તું ક્યાંથી? ક્યારે આવ્યો ગાંધીનગર? બા-બાપુજી કેમ છે? લતાભાભી અને બાબુકો?

કલ્પેશ : ઊભીરે ઊભીરે. આટલા બધા પ્રશ્નો એક સાથે? ઊભીરે, ઊભીરે બાધા પ્રશ્નો એક સાથે?

સુધાબહેન : મજાક ન કર. કહે ઘરમાં બધાં કેમ છે? મજાક ન કર. કહે, ઘરમાં બધાં કેમ છે?

કલ્પેશ : બધાં મજામાં છે. અને તને ખૂબ જ યાદ કરે છે. તૃપ્તિ ક્યાં છે? બધાં મજામાં છે અને તને ખૂબ જ યાદ કરે છે. તૃપ્તિ ક્યાં છે?

સુધાબહેન : તે હમણાં જ પુસ્તકાલય ગઈ. મેં જ એને મોકલી. મારે એક ખાસ પુસ્તકની જરૂર હતી. તે હમણાં જ પુસ્તકાલય ગઈ. મેં જ એને મોકલી. મારે એક ખાસ પુસ્તકની જરૂર હતી.

કલ્પેશ : તું અને પુસ્તક? આ તો આશ્ચર્યની વાત છે. તું અને પુસ્તક? આ તો આશ્ચર્યની વાત છે.

મામાજી આઈ

સુધા બહેન : અરે કલ્પેશ તુમ કહાં સે? કબ આયા ગાંધીનગર? મા-બાબુજી કૈસે હૈં? લતા મામી ઓર બચ્ચે?

કલ્પેશ : રુકો રુકો. ઇતને સારે પ્રશ્ન એક સાથ?

સુધા બહેન : મજાક મત કરો. બતાઓ, ઘર મેં સબ કૈસે હૈં?

કલ્પેશ : સબ ઠીક હૈં ઓર તુમ્હેં બહુત યાદ કરતે હૈં. તૃપ્તિ કહાં હૈ?

સુધા બહેન : વહ અમી-અમી પુસ્તકાલય ગઈ. મેંને હી ઉસે મેજા. મુઝે એક ખાસ પુસ્તક કી જરૂરત થી.

કલ્પેશ : તુમ ઓર પુસ્તક? યહ તો આશ્ચર્ય કી બાત હૈ.

सुधाबहेन : तें शुं विचार्यु? शुं हुं पुस्तक नथी वांचती?
तें शुं विचार्यु? शुं हुं पुस्तक नथी वांचती?

कल्पेश : ना ना अेवी वात नथी. घर गृहस्थीनी पणोवणमां तने समय क्वां छे?
ना-ना अवी वात नथी। घर गृहस्थीनी पळणमां तने समय क्वां छे?

सुधाबहेन : समय तो डाढुं छुं. मारी बहेनपणी शीतले मने केटलांक सारां पुस्तकोनी अेक यादी आपी. तेमांथी बे-त्रण पुस्तको में गया अठवाडिये लीघां.

समय तो काढुं छुं। मारी बहेनपणी शीतले मने केटलांक सारां पुस्तकोनी एक यादी आपी। तेमांथी बे-त्रण पुस्तको में गया अठवाडिये लीघां।

कल्पेश : इक्त लीघां, वांच्यां नहीं?
फक्त लीघां, वांच्यां नहीं?

सुधाबहेन : इरी अेव मजाक! में तो पुस्तको इक्त वांच्यां व नहीं पण अेमांथी अेकनो हिन्दीमां अनुवाद करवानुं पण विचारी रही छुं.

फरी अे ज मजाक! में तो पुस्तको फक्त वांच्यां ज नहीं पण अेमांथी एकनो हिन्दीमां अनुवाद करवानुं पण विचारी रही छुं।

कल्पेश : शाबाश. सारुं, कहे बनेवी केम छे?

शाबाश। सारुं, कहे बनेवी केम छे?

सुधाबहेन : मजामां छे. ते ओइसना कामथी कादे व कच्छ गया. आ शनिवारे आववाना

सुधा बहन : तुमने क्या सोचा? क्या मैं पुस्तक नहीं पढ़ती?

कल्पेश : नहीं-नहीं, ऐसी बात नहीं है। घर गृहस्थी की झंझट में तुम्हें समय कहाँ है?

सुधा बहन : समय तो निकालती हूँ। मेरी सहेली शीतल ने मुझे कुछ अच्छी पुस्तकों की एक सूची दी। उस में से दो-तीन पुस्तकें मैने गत सप्ताह लीं।

कल्पेश : सिर्फ लीं, पढ़ी नहीं?

सुधा बहन : फिर वही मजाक! तो पुस्तकें सिर्फ पढ़ी ही नहीं लेकिन उनमें से एक का हिन्दी में अनुवाद करने का भी सोच रही हूँ।

कल्पेश : शबाश। अच्छा, बताओ बहनोई जी कैसे हैं?

सुधा बहन : ठीक हैं। वे आफिस के काम से कल ही कच्छ गए। इस शनिवार को आनेवाले हैं।

छे.

मजमां छे। ते ओफिसना काम काले
ज कच्छ गया। आ शनिवारे
आववाना छे।

कल्पेश : तृप्तिनो अभ्यास केवो
चाली रह्यो छे?
तृप्तिनो अभ्यास केवो चाली रहयो
छे?

सुधाबहेन : ते बारमा धोरणमां
छे. तो पण अभ्यासमां जेटली
रुचि लेवी जेठले तेटली लेती
नथी. अरे! हुं पण केवी बहेन
छुं. भाई आटला दिवसो पछी
आव्यो छे तो पण में अने
भावा-पीवानुं पण कीधुं नही.
तुं हाथ-पग धोईले, हुं हमणां
आवी.

ते बारमा छोरणमां छे। तो पण
अभ्यासमां जेटली रुचि लेवी जाईए
तेटली लेती नथी। अरे! हुं पण केवी
बहेन छुं भाई आटला दिवसो पछी
आव्यो छे तो पण में अने खावा-
पीवानुं पण कीधुं नही। तुं हाथ-पग
धोईले? हुं हमणां आवी।

तृप्ति : नमस्ते मामा, तमे
क्यारे आव्या?

नमस्ते मामा, तमे क्यारे आण्या?

कल्पेश : अरे तृप्ति! तुं केटली
मोटी थई गई! तारी बाने
तारा अभ्यासनी भूब ४ चिंता
छे.

अरे तृप्ति! तुं केटली मोटी थई गई!
तारी बाने तारा अभ्यासनी खूब ज
चिंता छे।

तृप्ति : आ तो हमेशां चिंता करे
छे. पण हुं तो मारो अभ्यास
सारी रीते करी रही छुं.

कल्पेश : तृप्ति की पढ़ाई कैसी चल रही है?

सुधा बहन: वह बारहवीं कक्षा में है! फिर भी
पढ़ाई में जितनी दिलचस्पी लेनी चाहिए
उतनी नहीं लेती। अरे! मैं भी कैसी बहन
हूँ! भाई इतने दिनों के बाद आया और
उससे मैंने खाने-पीने के लिए भी नहीं
कहा। तुम हाथ पाँव धोले, मैं अभी आई।

तृप्ति : नमस्ते मामा जी, आप कब आए?

कल्पेश : अरे तृप्ति! तू कितनी बड़ी हो गई?
तेरी माँ को तेरी पढ़ाई की बहुत ही चिंता
है।

तृप्ति : माँ तो हमेशा चिंता करती है। लेकिन
मैं तो अपनी पढ़ाई ठीक तरह से कर
रही हूँ।

बा तो हंमेशां चिंता करे छे। पण हुं तो मारो अभ्यास सारी रीते करी रही छुं।

कल्पेश : बारमा धोरण पछी शुं करवानुं विचारी रही छे?
बारमा धोरण पछी शुं करवानुं विचारी रही छे?

तृप्ति : हुं तो पत्रकार बनवानी छुं।
हुं तो पत्रकार बनवानी छुं।

कल्पेश : बहु सरस, तें अन्य छोकरीओ करतां कंठक अलग न विचार्युं।
बहु सरस, तें अन्य छोकरीओ करतां कंठक अलग ज विचार्युं।

तृप्ति : आभार मामा. कम से कम तमे तो मारो पक्ष लीधो. मारा बा-बापुजीना मत मुजब तो छोकरीओ माटे शिक्षिका बनवुं न योग्य छे।

आभार मामा। कम सेकम तमे तो मारो पक्ष लीधो। मारा बा-बापुजीना मत मुजब तो छोकरीओ मारे शिक्षिका बनवुं ज योग्य छे।

सुधाबहेन : ओ तृप्ति, तुं आवी! आवतानी साथे न मारी इरियाद शरु करी।

ओ तृप्ति, तुं आवी! शुं आवतांनी साथे जं मारी फरियाद शरु करी।

तृप्ति : इरियाद? में तो साची वात कीधी.

फरियाद? में तो साची बात कीधी।

सुधाबहेन : सारुं सारुं. हवे मामाने कंठ भावा-पीवा दे.
सारुं-सारुं हवे मामाने कंई खावा-पीवा दे।

कल्पेश : बारहवी कक्षा के बाद क्या करने का सोच रही हो?

तृप्ति : मैं तो पत्रकार बननेवाली हूँ।

कल्पेश : बहुत अच्छा, तूने अन्य लड़कियों से कुछ अलग ही सोचा।

तृप्ति : शुक्रिया मामा जी। कम से कम आपने तो मेरा पक्ष लिया। मेरे माँ बाबूजी की राय में तो लड़कियों के लिए शिक्षिका बनना ही ठीक है।

सुधा बहन : ओ तृप्ति, तू आई! आते ही मेरी शिकायत शुरु की।

तृप्ति : शिकायत? मैंने तो सच बात कही।

सुधा बहन : ठीक है, ठीक है। अब मामा जी को कुछ खाने-पीने दो।

तृप्ति : ओ मामा! शुं हजु सुधी
तमे कंठ पण भाधुं-पीधुं नथी.
भाअे तमने भावा-पीवा माटे
कंठ दीधुं नही.
ओ मामा। शुं हजी सुधी तमे कंई
पण खाधु-पीधुं नथी। बाधीए तमने
खावा-पीवा माटे कंई दीधुं नहीं।

कल्पेश : त्यां जो. मोटी बहेन
केटली बधी वस्तुओ लावी रही
छे! तुं पण आव आपणे अेक
साथे भाईअे.
त्यां जो। मोटी बहेन केटली बधी
वस्तुओ लावी रही छे। तुं पण आव,
आपणे एक साथे खाईए।

तृप्ति : ओ मामा जी! क्या अभी तक आपने
कुछ भी खाया-पीया नहीं? माँ ने आपको
खाने-पीने के लिए कुछ नहीं दिया?

कल्पेश : उधर देखो। दीदी कितनी सारी चीजें
ला रही हैं! तू भी आ, हम एक साथ
खाएँ।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवागरी	हिंदी अर्थ
ક્યાંથી	क्यांथी	कहाँसे
ઊભી રે	ऊँभी रे	रुका
મજાક	मजाक	मजाक
મજામાં	मजामां	मजे में/ठीक
ક્યાં	क्यां	कहाँ
હમણાં	हमणां	अभी
એને	अेने	उसे
પુસ્તક	पुस्तक	किताब
અશ્ચર્ય	आश्चर्य	आश्चर्य
વિચાર્યું	विचार्युं	सोचा
વાંચતી	वांचती	पढ़ती
ના	ना	नहीं
એવી વાત	अेवी वात	ऐसी बात

पणोवण	पकोजण	झंझट
काढुं	काढुं	निकालती
अहेनपणी	बरेनपणी	सहेली
केटलांक	केटलांक	कुछ
तेमांथी/अमांथी	तेमांथी/अमांथी	उनमें से
गया अठवाडिये	गया अठवाडिये	पिछले सप्ताह
लीधां	लीधां	लिए
इक्त	फक्त	सिर्फ
वांच्यां	वांच्यां	पढी
इरी अे व	फरी अे ज	फिर वही
करवानुं	करवानु	करने का
विचार	विचार	सोच
अनेवी	बनेवी	बहनोई
कामथी	कामथी	काम से
आववाना	आववाना	आनेवाले
अभ्यास	अभ्यास	पढाई
धोरण	धोरण	कक्षा
लेवी	लेवी	लेनी
रुचि	रुचि	दिलचस्पी
केवी	केवी	कैसे
आव्यो	आव्यो	आया
पछी	थछी	बाद
भावा-पीवा	खावा-पीवा	खाना-पीना
पूंछ्युं	पूंछ्युं	पूछा
हाथ-पग	हाथ-पग	हाथ-पाँव
धोई ले	धोई ले	धो ले
क्यारे	क्यारे	कब
केटली	केटली	कितनी
मोटी	मोटी	बड़ी
थई गई	थई गई	हो गई

બનવાની	बनवानी	बननेवाली
બહુ સરસ	बहु सरस	बहुत अच्छा
છોકરીઓ	छोकरीओ	लड़कियाँ
કંઈક	कईक	कुछ
આભાર	आभार	शुक्रिया/धन्यवाद
લીધો	लीधो	लिया
મત	मत	राय
બનવું	बनवुं	बनना
યોગ્ય	योग्य	ठीक
આવતાની સાથે	आवतांनी साथे	आते ही
ફરિયાદ	फरियाद	शिकायत
સાચી	साची	सच
શું હજી સુધી	शुं हजी सुधी	क्या अभी तक
ખાધું-પીધું	खाधुं-पीधुं	खाया-पिया
આપ્યું	आप्युं	दिया
ત્યાં જો	त्यां जो	उधर देखो
કેટલી	केटली	कितनी
વસ્તુઓ	वस्तुओं	चीजें
ખાઈએ	खाईए	खाएँ

अभ्यास

- I नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए।
1. 1) में गया अठवाडिये पुस्तको लीधां.
में गया अठवाडिये पुस्तको लीधां।
 - 2) मामाએ મારો પક્ષ લીધો.
मामाए मारो पक्ष लीधो।
 - 3) में तो साची वात कीधी.
में तो साची वात कीधी।

- 4) તમે કંઈ પણ ખાધું-પીધું નહીં.
તમે કંઈપણ ખાધું-પીધું નહીં।
 - 5) તમને ખાવા-પીવાનું કંઈ પણ દીધું નહીં.
તમને ખાવા-પીવાનું કંઈ પણ દીધું નહીં।
2. 1) તે ઓફિસના કામથી કાલે જ કચ્છ ગયા.
તે ઓફિસના કામથી કાલે જ કચ્છ ગયા।
 - 2) મેં એને ખાવા-પીવા માટે કહ્યું નહીં.
મેં એને ખાવા-પીવા માટે કહ્યું નહીં।
 - 3) તમે મારા ઘરે જમવા માટે આવ્યા નહીં.
તમે મારા ઘરે જમવા માટે આવ્યા નહીં।
 - 4) હસમુખભાઈ ચા-નાસ્તો કરવા માટે આવ્યા નહીં.
હસમુખભાઈ ચા-નાસ્તો કરવા માટે આવ્યા નહીં।
 - 5) ભરત અને હસમુખ જમવા આવ્યા નહીં.
ભરત અને હસમુખ જમવા માટે આવ્યા નહીં।
3. 1) તેઓ આ શનિવારે આવવાના છે.
તેઓ આ શનિવારે આવવાના છે।
 - 2) તેઓ કાલે જવાના છે.
તેઓ કાલે જવાના છે।
 - 3) હસમુખ અમદાવાદ જવાનો છે.
હસમુખ અમદાવાદ જવાનો છે।
 - 4) લતા પુસ્તકો લાવવાની છે.
લતા પુસ્તકો લાવવાની છે।
 - 5) મારા મિત્રો મહેસાણાથી આવવાના હતા.
મારા મિત્રો મહેસાણાથી આવવાના હતા।
4. 1) તૃપ્તિ એ અભ્યાસમાં જેટલી રુચિ લેવી જોઈએ તેટલી લેતી નથી.
તૃપ્તિ અભ્યાસમાં જેટલી રુચિ લેવી જોઈએ તેટલી લેતી નથી।

- 2) જેટલું જરૂર હોય તેટલું ખાવું જોઈએ.
जेरव्यु जदूर होय तेटलुं खावुं जईए।
 - 3) જેટલાં પુસ્તકોની જરૂર હોય તેટલાં જ લેવાં જોઈએ.
जेटलां पुस्तकोनी जरूर होय तेटलां ज लेवां जोईए।
 - 4) જેટલી વસ્તુઓની જરૂર હોય તેટલી જ લેવી જોઈએ.
जेटली वस्तुओनी जरूर होय तेटली ज लेवी जोईए।
5. 1) મામાને કંઈ ખાવા-પીવા દે.
मामाने कंई खावा-पीवा दे।
 - 2) તૃપ્તિને વાંચવા દે.
तृप्तिने वांचवा दे।
 - 3) શીતલને પુસ્તકાલય જવા દે.
शीतलने पुस्तकालय जवा दे।
 - 4) મને ફરિયાદ કરવા દે.
मने फरियाद करवा दे।
 - 5) મને હાથ-પગ ધોવા દે.
मने हाथ-पाग धोवा दे।
 - 6) મને પત્રકાર બનવા દે.
मने पत्रकार बनवा दे।

II કોષ્ટક મેં દિે ગએ ક્રિયારૂપોં મેં સે ઉપયુક્ત ક્રિયારૂપ ચુન કર વાક્ય પૂરે કીજિે।

(ખાધું-પીધું, લીધાં, ગઈ, દીધું, ગયા)

(ખાધું-પીધું, લીધાં, ગઈ, દીધું, ગયા)

- 1) બાએ તમને હજી પાણી નથી _____.
बाए तमने हजी पाणी नथी _____।
- 2) મેં કેટલાંક સારાં પુસ્તકો _____.
में केटलांक सारां पुस्तको _____।
- 3) તે કાલે જ કચ્છ _____.
ते काले ज कच्छ _____।

- 4) कल्पेशे कशुं च _____ नहीं।
कल्पेशे कशुं ज _____ नहीं।
- 5) तृप्ति पुस्तकालय _____।
तृप्ति पुस्तकालय _____।

III कोष्ठक में दिए गए क्रियारूपों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

- 1) गया अठवाडिये में केटलांक पुस्तको _____। (लेवा)
गया अठवाडिये में केटलांक पुस्तको _____। (लेवां)
- 2) कम से कम तमे तो मारो पक्ष _____। (लेवा)
कम से कम तमे तो मारो पक्ष _____। (लेवा)
- 3) मामाअे पाणी _____। (पी)
मामाए पाणी _____। (पी)
- 4) कल्पेशे बिस्कीट _____ अने चा _____। (भा-पी)
कल्पेशे बिस्कीट _____ अने चा _____। (खा-पी)
- 5) आअे शीतलने _____। (कहेवुं)
बाए शीतलने _____। (कहेवुं)
- 6) मोहनभाई गईकाले गांधीनगर _____। (जा)
मोहनभाई गईकाले गांधीनगर _____। (जा)

IV कोष्ठक में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

(जेटलुं, तेटलुं, जेटलां, तेटलां, जेटली, तेटली)

(जेटलुं, तेटलुं, जेटलां, तेटलां, जेटली, तेटली)

- 1) शीतले _____ पुस्तको लीघां _____ वांथ्यां।
शीतले _____ पुस्तको लीघां _____ वांथ्यां।
- 2) माणसने _____ जरुर होय _____ च भावुं जोईअे।
माणसने _____ जरुर होय _____ ज खावुं जोईए।
- 3) अभ्यासमां _____ रुचि लेवी जोईअे _____ लेती नथी।
अभ्यासमां _____ रुची लेवी जोईए _____ लेती नथी।

V कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(आप, जा, आव, लाव)

(आप, जा, आव, लाव)

- 1) ते शनिवारे _____ છે.
ते शनिवारे _____ છે।
- 2) અમે ત્રીજી તારીખે _____ છીએ.
अमे त्रीजी तारीखे _____ छीए।
- 3) મારે પુસ્તકાલયમાંથી પુસ્તકો _____ છે.
મારે પુસ્તકાલયમાંથી પુસ્તકો _____ છે।
- 4) શીતલે મને કેટલાંક પુસ્તકો _____ છે.
शीतले मने केटलांक पुस्तको _____ છે।

VI उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का भूतकाल में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण: मामा नास्तो करे છે.

मामा नास्तो करे છે।

मामाએ नास्तो કર્યો.

मामाए नास्तो कर्यो।

- 1) શીતલ પુસ્તક લે છે.
शीतल पुस्तक ले છે।
- 2) તૃપ્તિ પુસ્તકાલય જાય છે.
તૃપ્તિ પુસ્તકાલય જાય છે।
- 3) બા ચા પીએ છે.
बा चा पीए છે।
- 4) બાપુજી કચ્છ જાય છે.
बापुजी कच्छ जाय છે।
- 5) બા કલ્પેશને કંઈક કહે છે.
बा कल्पेशने कईक कहे છે।

VII उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का वर्तमानकाल में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : मैं चा पीधी.
 मैं चा पीधी।
 हुं चा पीवुं छुं.
 हुं चा पीवुं छुं।

- 1) रमणे बिस्कीट खाधां.
रमणे बिस्कीट खाधां।
- 2) अभये इण भाधुं.
अभये फळ खाधुं।
- 3) मामाअे पाएणी पीधुं.
मामाए पाणी पीधुं।
- 4) तृप्तिअे पुस्तक लीधुं.
तृप्तिए पुस्तक लीधुं।
- 5) आअे शीतलने कंईक कीधुं.
बाए शीतलने कंईक कीधुं।

VIII नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

- 1) तृप्ति अभ्यासमां रुचि ले छे.
तृप्ति अभ्यासमां रुचि ले छे।
- 2) सुधाअे पुस्तको वांच्यां.
सुधाए पुस्तको वांच्यां।
- 3) अभये बहार भाधुं छे.
अभये बहार खाधुं छे।
- 4) आअे मामाने भावा-पीवा कछुं.
बाए मामाने खावा-पीवा कछुं।
- 5) अक्षये इण अने बिस्कीट खाधां.
अक्षये फळ अने बिस्कीट खाधां।

IX उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:	હું આવું છું.	લતા પુસ્તક લાવે છે.
	હું આવું છું।	લતા પુસ્તક લાવે છે।
	હું આવવાનો છું.	લતા પુસ્તકો લાવવાની છે.
	હું આવવાનો છું।	લતા પુસ્તકો લાવવાની છે।

1.
 - 1) મહેશ જાય છે.
મહેશ જાય છે।
 - 2) કલ્પેશ ચા પીએ છે.
કલ્પેશ ચા પીવે છે।
 - 3) સુમિત ફળ ખરીદે છે.
સુમિત ફળ ખરીદે છે।

2.
 - 1) શીતલ નાસ્તો કરે છે.
શીતલ નાસ્તો કરે છે।
 - 2) સુધા બિસ્કીટ ખાય છે.
સુધા બિસ્કીટ ખાય છે।
 - 3) મારી બા ચા બનાવે છે.
મારી બા ચા બનાવે છે।

पढ़िए और समझिए।

ચતુર વેપારી

ભરતભાઈ તેમના બંગલામાં તેમની પત્ની અને પાંચ નોકરો સાથે રહે છે. એક દિવસ તેમનું કિંમતી ઘડિયાળ ખોવાયું. તેમણે તેમના નોકરોને બોલાવ્યા. દ ડિયાળ માટે પૂછપરછ કરી. બધાએ ના પાડી. બીજે દિવસે સૂતાં પહેલાં તેમણે તેમના બધાં નોકરોને બોલાવ્યા. દરેકને એક એક લાકડી આપી. પછી કહ્યું કે “આ બધી લાકડીઓ સરખા માપની છે. તે બધી મંતરેલી છે. ચોરની લાકડી સવારે એક ઈંચ મોટી થઈ જાય છે.” દરેક નોકર લાકડી લઈ ગયો. ચોર ચિંતામાં પડ્યો. તેણે તેની લાકડી એક ઈંચ કાપી, ભરતભાઈએ બીજે દિવસે સવારે બધા નોકરોને લાકડી સાથે બોલાવ્યા. ચોરની લાકડી બીજાની લાકડીઓ કરતાં એક ઈંચ નાની હતી. ભરતભાઈએ ચાલાકીથી ચોરને પકડ્યો. ચોરે પોતાનો ગુનો કબૂલ કર્યો અને ભરતભાઈની ક્ષમા માગી.

चतुर वेपारी

भरत भाई तेमना बंगलामा तेमनी पत्नी अने पांच नाकरो साथे रहे छे। एक दिवस तेमनु किमती घडियाळ खोवायुं। तेमणे तेमना नोकरोने बोलाव्या। घडियाळ माटे पूछपरछ करी। बधाए ना पाड़ी। बीजे दिवसे सूतां परेलां तेमणे तेमना बधां नोकरोने बोलाव्या। दरेकने एक लाकड़ी आपी, पछी कहुयं, "आ बधी लाकड़ीओ सरखा मापनी छे। ते बधी मंतरेलो छे। चोरनी लाकड़ी सवारे एक इंच मोटी थई जांय छे।" दरंक नोकर लाकड़ी लई गयो। चोर चिंतामां पड्यो। तेणे तेनी लाकड़ी एक इंच कप्पी भरतभाईए बीजे दिवसे सवारे बध नोकरोने लाकड़ी साथ बोलाव्या। चोरनी लाकड़ी बीजा करतां एक इंच नानी हती। भरतभाईए चालकीथी चोरने पकड़यो. चोरे पोतानो गुनो कबूल कर्यो अने भरतभाईनी क्षमा मागी।

शब्दार्थ

गुजराती शब्द	देवागरी	हिंदी अर्थ
बंगलो	बंगलो	बंगला
नोकर	नोकर	नौकर
किंमती	किमती	कीमती
घडियाळ	घडियाळ	घड़ी
पूछपरछ	पूछपरछ	पूछताछ
लाकड़ी	लाकड़ी	लकड़ी
सरखा	सरखा	समान
माप	माप	माप/नाप
चोर	चोर	चोर
इंच	इंच	इंच
मंतरेली	मंतरेली	मंत्र की हुई
सवार	सवार	सुबह
बराबर	बराबर	ठीक, बराबर
चालाकी	चालाकी	चालाकी/होशियारी
पोतानो	पोतानो	अपना
गुनो	गुनो	अपराध
कबूल	कबूल	कबूल/स्वीकार
क्षमा	क्षमा	क्षमा

अभ्यास

I अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भरतभाईए पोताना नोकरोने शा माटे बोलाव्या?
भरतभाईए पोताना नोकरोने शा माटे बोलाव्या?
2. नोकरोने तेमणे शुं आप्युं?
नोकरोने तेमणे शुं आप्युं?
3. लाकडी आपती वખते तेमणे नोकरोने शुं कहुं?
लाकडी आपती वखते तेमणे नोकरोने शुं कहुं ?
4. भरतभाईए चोरने केवी रीते पकड्यो?
भरतभाईए चोरने केवी रीते पकड्यो?

II नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के लिए अनुच्छेद में प्रयुक्त गुजराती शब्द दीजिए।

स्वीकार, अपराध, बड़ी, अपना, समान, लकड़ी, नाप, सुबह, पूछताछ

III हिंदी में अनुवाद कीजिए।

अमे अमदावाढ गया. त्यां अमे गांधी आश्रम जेवा गया. गांधी आश्रम साबरमती नदी किनारे आवेलुं शांत अने सुंदर स्थल छे. गांधीज्जे दंडीकूचनी शरआत त्यांथी ज करी. अमदावाढमां अमे कंडरिया तलावना किनारे आवेला कमला नहेरुं प्राणीसंग्रहालयनी मुलाकात पण लीधी, पछी अमे बाणवाटिका जेवा गया. बाणकोने आ बने स्थल जेवानी भूज ज मजा आवी. अमदावाढमां अमे कोचरभ आश्रम, गुजरात विद्यापीठ, हठिसिंगनां देरा, गुम्मा मस्जिद, सीदी सैयदनी जाली, मद्रनो किल्लो, वैष्णवदेवीनुं मंदिर वगरे जेवा सुंदर स्थलोनी मुलाकात लीधी. अमने अमदावाढमां इरवानी भूज ज मजा आवी.

IV गुजराती में अनुवाद कीजिए।

रमेश और रमा भाई-बहन थे। दोनों कालेज में थे। रमेश एम.ए. में था। रमा बी.ए. में थी। दोनों पढ़ने में होशियार थे। एक दिन दोनोंने सिनेमा देखा, बाजार में नाश्ता किया। घर के लिए भी लिए। घर आने के बाद नाश्ता माँ-बाप को भी दिया।

V वर्षा के एक दिन के बारे में एक छोटा सा अनुच्छेद गुजराती में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I इस पाठ में भी गुजराती के सामान्य भूतकालिक क्रिया वाले वाक्य जारी हैं।
'જા' (जा), 'કહે' (कहे), 'દે' (दे), 'લે' (ले), 'પી' (पी), 'ખા' (खा)
जैसी अनियमित क्रियाओं का भूतकालिक प्रयोग दिया गया है।
1. તે હમણાં જ પુસ્તકાલય ગઈ. वह अभी अभी पुस्तकालय गई।
ते हमणां ज पुस्तकालय गई।
 2. મેં તો સાચી વાત કીધી. मैंने तो सच बात कही।
में तो साची वात कीधी।
 3. બાએ મને બિસ્કીટ દીધાં. माँने मुझे बिस्कीट दिए।
बाए मने बिस्कीट दीधां।
 4. મામાએ મારો પક્ષ લીધો. मामाजी ने मेरा पक्ष लिया।
मामाए मारो पक्ष लीघो।
 5. તમે કંઈ પણ ખાધું-પીધું નહીં. आपने कुछ भी खाया-पिया नहीं।
तमे कई पण खाधुं-पीधुं नहीं।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित क्रियारूपों से यह स्पष्ट होता है कि गुजराती में (जा), (कह), (दे), (ले), (पी), (खा) क्रियाएँ भूतकाल के रूप में अन्य क्रियाओं से अलग हैं। इन के भूतकालिक रूपों के लिए क्रिया के मूल रूप में 'ध' (ध) जोड़कर पुरुष लिंग वचन के अनुसार प्रत्यय लगाया जाता है।

- II नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दीजिए।
1. આ શનિવારે આવવાના છે. इस शनिवार को आनेवाले हैं।
आ शनिवारें आववाना छे।
 2. આવતી કાલે જવાના છે. कल जाने वाले हैं।
आवती काले जवाना छे।
 3. વિશાલ ઔષધી લેવાનો છે. विशाल औषधी लेनेवाला है।
विशाल औषधी लेवानो छे।
 4. હું તો પત્રકાર બનવાની છું. मैं पत्रकार बननेवाली हूँ।
हुं तो पत्रकार बनवानी छुं।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्द हिंदी के 'आनेवाले', 'जानेवाले', लेनेवाल, बननेवाली जैसे प्रयोग के समान हैं। ऐसे प्रयोग गुजराती में भी 'क्रिया करने वाले' का बोध कराते हैं। ये शब्द क्रियावाचक संज्ञाओं के साथ लिंग वचन के अनुसार 'લાના' (वाना), 'લાની' (वानी), 'લાને' (वानो), 'લાનું'(वानुं) (-वाला, -वाली, -वाले) जोड़कर कर बनते हैं।

ला + ना	लाना	+	वाला	=	लानेवाला
	लाना	+	वाली	=	लानेवाली
	लाना	+	वाले	=	लानेवाले

III नीचे दिए गए वाक्यों पर भी ध्यान दीजिए।

- | | |
|--|---------------------------------|
| 1. હવે મામાને કંઈ ખાવા-પીવા દે.
हवे मामाने कई खावा-पीवा दे। | अब मामा जी को कुछ खाने-पीने दे। |
| 2. તૃપ્તિને પત્રકાર બનવા દે.
तृप्तिने पत्रकार बनवा दे। | तृप्ति को पत्रकार बनने दो। |
| 3. સુધાને પુસ્તક વાંચવા દે.
सुधाने पुस्तक वांचवा दे। | सुधा को पुस्तक पढ़ने दो। |
| 4. તેને પુસ્તકાલય જવા દે.
तेने पुस्तकालय जवा दे। | उसको पुस्तकालय जाने दो। |

उपर्युक्त वाक्य हिंदी के अनुमति बोधक के समान हैं।

ऐसे वाक्य वक्ता श्रोता से अनुमति लेने तथा अन्यो को अनुमति देने के लिए प्रयुक्त होते हैं। ऐसे सभी वाक्यों में कर्ता के साथ कर्मकारक 'ने' (ने) को जोड़ा जाता है।

IV गुजराती में भी भूतकालिक क्रिया जब सकर्मक होती है तब वाक्यों में कर्ता के साथ 'એ' (ए) जोड़ा जाता है, जैसे हिंदी के वाक्यों में 'ने'। ऐसे वाक्यों में क्रिया का रूप कर्म के लिंग-वचन के अनुसार बदलता है।

उदाहरण:

- | | |
|--|---------------------|
| 1. મેં જ એને મોકલી.
में ज अने मोकली। | में ने ही उसे भेजा। |
| 2. તે શું વિચાર્યું?
तें शुं विचार्युं? | तुम ने क्या सोचा? |

- | | | |
|----|---|--|
| 3. | शीतले मने क़ेटलांक
सारां पुस्तकोनी अेक
यादी आपी.
शीतले मने केटलांक सारां
पुस्तकोनी एक यादी आपी। | शीतल ने मुझे कुछ
अच्छी पुस्तकों की एक
सूची दी। |
| 4. | में तो पुस्तको वांच्यां न्ही.
में तो पुस्तको वांच्यां ज नहीं। | मैंने तो पुस्तकें पढ़ी ही नहीं। |
| 5. | में अेने भावा-पीवानुं पण
पूछ्युं न्ही.
में अेने खावा-पीवानुं पण पूछ्युं नहीं। | मैंने उससे खाने पीने के लिए भी
नहीं पूछा। |
| 6. | तमे तो मारो पक्ष लीघो.
तमे तो मारो पक्ष लीघो। | आपने तो मेरा पक्ष लिया। |

ध्यान दीजिए कि गुजराती में कर्ता के साथ 'अे' (ए) (हिंदी के 'ने' जैसे) जोड़ने से सर्वनामों के रूप इस प्रकार बदलते हैं।

हुं + अे = में	(हुँ + ए = में)	मैं + ने = मैंने
तुं + अे = तें	(तुं + ए = तें)	तुम + ने = तुमने
तमे + अे = तमे	(तमे + ए = तमे)	आप + ने + आपने
ते + अे = तेणे	(ते + ए = तेणे)	वह + ने = उसने
अमे + अे = अमे	(अमे + ए = अमे)	हम + ने = हमने
तेओ + अे = तेओअे	(तेओ + ए = तेओए)	वे + ने = उन्होंने

V एक से पाँच तक के पाठों में गुजराती के विविध कारकों का प्रयोग हुआ है। उन का परिचय नीचे दिया गया है।

- कर्ता कारक: इस कारक में सामान्यतः प्रत्यय और परसर्ग नहीं लगते। लेकिन भूतकाल की सकर्मक क्रिया में 'अे' (ए) 'ने' प्रत्यय लगता है जिस के बारे में ऊपर बताया जा चुका है।

कविताअे इण भाधुं.
कविताए फळ खाधुं।

कविता ने फल खाया।

2. कर्म कारक: इस कारक में 'ने' (ने) 'को' प्रत्यय आता है परंतु अपवादरूप 'ने' (ने) प्रत्यय नहीं भी आता।
- 1) कल्पेशे जिज्ञासाने बोलावी. कल्पेशने जिज्ञासा को बुलाया।
कल्पेशे जिज्ञासाने बोलावी।
- 2) जिज्ञासा पुस्तक लावी. जिज्ञासा पुस्तक लाई।
जिज्ञासा पुस्तक लावी।
3. करण कारक: इस कारक में 'अ' (ए), 'थी' (थी), 'वडे' (वडे) प्रत्यय आते हैं।
- 1) रमेश पेनथी लखे छे. रमेश पेन से लिखता है।
रमेश पेनथी लखे छे।
- 2) सुधा चमचा वडे ખાય छे. सुधा चम्मच से खाती है।
सुधा चमचा वडे खाय छे।
4. संप्रदान कारक: इस कारक में 'ने' (ने), 'ने माटे' (ने माटे) प्रत्यय आते हैं।
- 1) रमाअ भिखारीने पैसो आप्यो. रमाने भिखारी को पैसे दिए।
रमाए भिखारीने पैसा आप्यां।
- 2) तृप्ति जिज्ञासाने माटे पुस्तक लावी. तृप्ति जिज्ञासा के लिए पुस्तक लाई।
तृप्ति जिज्ञासाने माटे पुस्तक लावी।
5. अपादान कारक: इस कारक में 'थी' (थी), 'मांथी' (मांथी), 'उपरथी' (उपरथी) प्रत्यय/परसर्ग आते हैं।
- 1) ઝાડથી પાન પડે છે. पेड़ से पत्ता गिरता है।
झाड़थी पान पडे छे।
- 2) સ્ટેશનમાંથી ગાડી છૂટી. स्टेशन से गाड़ी छूटी।
स्टेशनमांथी गाडी छूटी।
- 3) દોરી ઉપરથી કપડું પડ્યું. दोरी से कपड़ा गिरा।
दोरी उपरथी कपडुं पड्युं।

6. अधिकरण कारक: इस कारक में 'अे' (ए), मां' (मां) प्रत्यय आति हैं।
- 1) राम वने गया. राम वन (को) गए।
राम वने गया।
- 2) सुधीर घरमां आव्यो. सुधीर घर (में) आया।
सुधीर घरमां आव्यो।
7. संबोधन कारक: इस कारक में कोई प्रत्यय नहीं लगता। केवल संबोधन सूचक चिह्न लगता है।
- 1) रमेश! तुं शुं करे छे? रमेश! तू क्या करता है?
रमेश! तुं शुं करे छे?
8. संबंध वाचक रूप: इस में 'नो' (नो) (पुं.), 'नी' (नी) (स्त्री.), 'नुं' (नुं) (नपुं.), 'नल' (ना) (बहु.व.) प्रत्ययों का प्रयोग होता है।
- 1) ते रमेशनो अंगलो छे. वह रमेश का बंगला है।
ते रमेशनो बंगलो छे।
- 2) आ रमानी पेन छे. यह रमा का पेन है।
आ रमानी पेन छे।
- 3) आ मोहननुं घर छे. यह मोहन का घर है।
आ मोहननुं घर छे।
- 4) आ सुधानां पुस्तको छे. यह सुधा की पुस्तकें हैं।
आ सुधाना पुस्तको छे।

VI गुजराती सर्वनामों के विविध प्रत्ययों के साथ निम्न कारक रूप होते हैं।

- हुं : मने, माराथी, मारा माटे मैं: मुझे, मुझ को, मुझ से, मेरे लिये, मेरा
- हुं: मने, माराथी मारा माटे मेरी मेरे, मुझ में।
- मारुं, मारी, मारो, मारां, मारामां
- मारुं, मारी, मारो, मारं, मारामां
- अमे : आपणे, अमने, अमारा, अमाराथी हम: हमें, हमको, हमसे, हमारे लिए
- अमे: आपणे, अमने, अमाराथी हमारा, हमारी, हमारे, हममें।

	अमारा माटे, अमारो अमारा माटे, अमारो अमारी, अमारुं, अमारां अमारी, अमारुं, अमारा, अमारामां,	
तुं :	तने, ताराथी, तारा माटे	तूं: तुझे, तुझ को, तुझ से,
तुं:	ते, तमे, ताराथी, तारामाई तारो, तारा, तारी, तारुं, तारां तारो, तारां, तारी, तारुं, तारामां।	तेरे लिए, तेरा, तेरे, तेरी, तुझ में।
तमे :	तमने, तमाराथी, तमारा माटे	तुम: तुम्हें/तुम को, तुम से, तुम्हारे लिए,
तमे:	तमने, तमाराथी, तमारा माटे तमारो, तमारी, तमारुं, तमारा, तमारां तमारो, तमारी, तमारुं, तमारा, तमारामां।	तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे, तुम में।
ते :	तने, तेनाथी, तेना माटे,	वह: उसे/उस को, उससे, उसके लिए,
ते:	तने, तेनाथी, तेना माटे तेनो, तेनी, तेनुं, तेना/तेनां, तेमां तेनो, तेनी, तेनुं, तेना/तेनां, तेमां।	उसका, उसकी, उसके, उसमें।
तेओ :	तेओने, तेओथी, तेओ माटे	वे: उन्हें, उन को, उनसे, उनके लिए,
तेओ:	तेओने, तेओथी, तेओ माटे, तेमनो, तेमनी, तेमना, तेमनुं, तेमनो, तेमनी, तेमना, तेमनुं, तेओमांथी तेओमां।	उनका, उनकी, उनमें।